Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In September 2019

UGC TEAM VISITS HISAR VARSITY

Hisar: The swachhta-ranking inspection team of University Grants Commission, New Delhi, visited Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar (GJUST). Prof Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, and Dr Anil Kumar Pundir, Registrar of the university, were present during the visit of the team. A presentation was given to the team about cleanliness and other 'swachhta' activities of the university by Prof Karam Pal Narwal at the committee hall of the Vice-Chancellor's office. Dr Rajiv Kumar, convener, Swachh Bharat Swasth Bharat Centre, said that the university has applied for swachhta ranking to the UGC, New Delhi. The team visited various parts of the university.

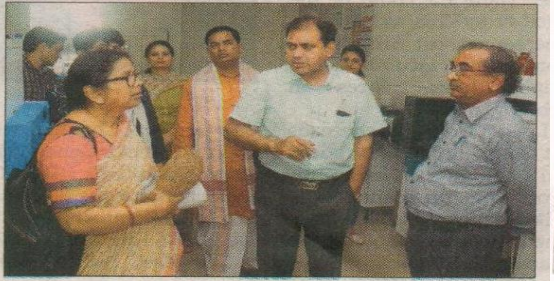

A UGC inspection team in GJUST, Hisar

The Tribune - 2/9/19

142 छात्रों को दी जाएगी एम्पलॉयबिलिटी स्किल ट्रेनिंग

जागरण संवाददाता, हिसार : जीजेयू के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल की ओर से सोमवार को नियमित उद्भावना कार्यक्रम का शुभारंभ चौधरी रणबीर सिंह सभागार में विवि कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने किया। कार्यक्रम का आयोजन तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम-3 के रोजगार कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है। द्वितीय चरण में हो रहे इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के बीटेक तृतीय वर्ष के 142 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। यह एम्पलॉयबिलिटी स्किल ट्रेनिंग कार्यक्रम 15 नवंबर तक चलेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने की। इस अवसर पर टीईक्यूआइपी-3 के संयोजक प्रो. अम्बरीष पाण्डेय, नोडल ऑफिसर प्रो. अजय शंकर, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी संजय सिंह, ओएसडी प्लेसमेंट विवेक कुमार व टाइम्स संस्थान के स्थानीय प्रतिनिधि पंकज चौधरी उपस्थित रहे। कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि उद्योग जगत को उच्चकोटि के कौशल युक्त मानवशक्ति की आवश्यकता है। यह आवश्यकता तभी पूरी हो सकती है जब विद्यार्थी अपनी शिक्षा के साथ-साथ उद्योग जगत की मांग के अनुसार अपने अंदर कौशल विकसित करें। प्रो. अम्बरीष पांडेय व नोडल ऑफिसर प्रो. अजय शंकर ने कहा कि विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम का भरपूर लाभ उठाएं। टाइम्स संस्थान के पंकज चौधरी ने कहा कि कौशलयुक्त व्यक्ति ही आने वाले समय में कामयाब होगा। शिक्षा के साथ-साथ कौशलयुक्त मानवशक्ति तैयार करना समय की मांग है। निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि एनपीआइयू (एमएचआरडी) के निर्देशानुसार एम्पेनल्ड सिकंदराबाद हेड क्वार्टर से संचालित टाइम संस्थान व विश्वविद्यालय के बीच इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को रोजगार कौशल प्रशिक्षण देने से सम्बंधित एक समझौता हुआ था।

गुजवि में प्रतिभागी विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलसचिव डा. अनिल पुंडीर।

दैनिक जागरण - 3/9/19

भाई की साइकिल से बनाई थी हाइब्रिड इलेक्ट्रॉनिक साइकिल, राष्ट्रीय स्तर पर हुआ चयन

माई सिटी रिपोर्टर

- गुजवि के मेकैनिकल के बीटेक के छात्र ने बनाई है 60 किमी. की रफ्तार से चलने वाली साइकिल
- एमएचआरडी के इनोवेशन सेल ने प्रोजेक्ट को किया चयनित

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के मेकैनिकल में बीटेक द्वितीय वर्ष के जिस छात्र ने अपने भाई की साइकिल को तोड़कर उसे हाइब्रिड इलेक्ट्रॉनिक साइकिल बना दिया था, उसी आशीष कुमार के सुपर इलेक्ट्रॉनिक साइकिल बनाने के प्रोजेक्ट का चयन राष्ट्रीय स्तर पर हुआ है।

देश के मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय के इनोवेशन सेल की तरफ से उन्हें राष्ट्रीय स्तर के बूट कैंप एवं प्रदर्शनी के लिए आमंत्रित किया गया है। गुजवि के विद्यार्थी आशीष ने 10वीं कक्षा में इलेक्ट्रॉनिक साइकिल बना ली थी, जिसे विश्वविद्यालय में दाखिले के बाद उसने उसे और बेहतर बनाया। आशीष की यह साइकिल अब 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ती है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के इनोवेशन सेल की तरफ से राष्ट्रीय स्तर के बूट कैंप एवं प्रदर्शनी के लिए देशभर के 43 विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट को चयनित किया था। इनमें हरियाणा के गुजवि के विद्यार्थी आशीष कुमार शामिल हैं। उनका यह प्रोजेक्ट जिला और प्रदेश स्तर पर हुई प्रदर्शनी में चयनित होकर राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचा है। प्रदर्शनी के तहत सोमवार को आशीष ने दिल्ली में आयोजित एक सेमिनार में हिस्सा लिया और प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। आशीष के प्रोजेक्ट को उन 23 प्रोजेक्ट में भी शामिल किया गया है, जिसे विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल इनोवेशन सेंटर की तरफ से चयनित किया गया था।

हाइब्रिड इलेक्ट्रॉनिक साइकिल के साथ आशीष कुमार। -अमर उजाला

साइकिल की खासियत

आशीष के अनुसार उसकी हाइब्रिड साइकिल की रफ्तार 60 किलोमीटर प्रति घंटा है। इस साइकिल में बाइक की तरह रेस, मीटर, इंडीकेटर, ब्रेक आदि के साथ संतुलन पर भी खास ध्यान दिया गया है। इसकी बैटरी को एक बार चार्ज करने के बाद यह साइकिल 60 किलोमीटर तक चल सकती है। दावा है कि इस तरह के संसाधनों में यह दुनिया की सबसे तेज चलने वाली साइकिल है।

"आशीष का चयन राष्ट्रीय स्तर पर होना विवि के लिए गर्व की बात है। इस तरह के हर प्रोजेक्ट के पूरी तरह कामयाब होने तक विवि विद्यार्थियों के साथ है। - **प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुजवि**

जानिए संघर्ष से कैसे पाई सफलता

- जीजेयू में बीटेक मैकेनिकल द्वितीय वर्ष के छात्र आशीष ने 8वीं कक्षा में अपनी साइकिल पर मोटर लगाकर उसे इलेक्ट्रॉनिक बनाने का प्रयास किया, लेकिन प्रयोग कामयाब नहीं हुआ।
- 10वीं के बाद कोचिंग के लिए गांव से हिसार आया तो भाई की साइकिल साथ ले आया। ऑटो मार्केट में एक दुकान पर ले गया और अपनी इच्छा अनुसार पूरी साइकिल खोलकर दोबारा अपने हिसाब से बनाईं। पैसे खत्म हो गए तो काम रुक गया।
- तीन महीने बीते थे कि बड़े भाई को साइकिल की जरूरत पड़ी। उन्होंने वापस मांग ली। साइकिल फिर पहले वैसी बनाकर भाई को लौटा दी, लेकिन साइकिल के पुर्जे खोले जाने का पता भाई को लगा तो जमकर डांट पड़ी।
- भविष्य को ध्यान में रख आशीष ने दो साल तक बचत की और करीब 24 हजार रुपये बचाए।
- पिछले वर्ष गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में बीटेक मैकेनिकल में दाखिला ले लिया और एक बार फिर अपने भाई की साइकिल ले आया। ऑटो मार्केट गया और साइकिल पर दोबारा काम शुरू किया। सामान की जरूरत पड़ी तो दिल्ली की कई मार्केट में घूमा और सामान खरीदा। करीब आठ महीने में आशीष ने एक ऐसी साइकिल बना ली, जो 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ती है।

अब अगला कदम

गांव मोहब्बतपुर निवासी आशीष के अनुसार वह अपनी साइकिल को ऐसी बनाना चाहता है कि पैडल मारने से बैटरी भी चार्ज हो। इसके लिए एक प्रोजेक्ट की योजना बना रखी है, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण इस पर काम नहीं हो पाया। उसे अब उम्मीद जगी है कि वह अपने प्रोजेक्ट पर आगे काम कर पाएगा।

अमर उजाला - 10/9/19

गुजवि के दो विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित सॉफ्टवेयर कंपनी इन्फोसिस में चयन

हिसार, 12 सितम्बर (निस)। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थियों का चयन प्रतिष्ठित सॉफ्टवेयर कंपनी इन्फोसिस में हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि इन्फोसिस ने अपनी आईएनएफवाईटीक्यू ऐप के माध्यम से प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया है। यह ऐप दुनिया भर के सभी उम्मीदवारों के लिए निशुल्क कौशल विकास प्रमाण पत्र प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करवाता है। जिन विद्यार्थियों ने सफलतापूर्वक अपना यह प्रमाणपत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा कर लिया है, उन्हें भारत के विभिन्न स्थानों पर ऑनलाइन कोडिंग टेस्ट के लिए बुलाया गया था। ऑनलाइन कोडिंग टेस्ट के बाद सूचिबद्ध किए गए विद्यार्थियों को अगस्त माह में तकनीकी साक्षात्कार और एचआर साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था।

प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि इस परीक्षा में विश्वविद्यालय के बीटेक सीएसई, आईटी, ईसीई के 45 विद्यार्थियों ने भाग लिया था, जिनमें से दो छात्रों का चयन इंफोसिस पैनल के पहले ऑनलाइन कोडिंग टेस्ट, तकनीकी और व्यक्तिगत साक्षात्कार में उपस्थित होने के बाद किया गया था। विद्यार्थियों को सिस्टम इंजीनियर तथा सिस्टम इंजीनियर स्पोर्ट के पद चयनित किया गया है। सिस्टम इंजीनियर के पद पर चयनित विद्यार्थियों को 3.25 लाख रूपये और सिस्टम इंजीनियर स्पोर्ट के पद पर पर चयनित विद्यार्थियों को 5.00 लाख प्रतिवर्ष का प्रारंभिक पैकेज दिया जाएगा।

प्रताप सिंह मलिक ने चयन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए छात्रों को तैयार करने और प्रेरित करने के लिए सीएसई विभाग के अध्यक्ष प्रो.ऋषिपाल सिंह का आभार व्यक्त किया। प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक आदित्य वीर सिंह ने कहा कि चयनित छात्र बीटेक सीएसई 2020 बैच के भावेश गुप्ता और हितेन जैन हैं।

नित्य शक्ति एक्सप्रेस 12/9/19

सहायक प्रोफेसर बिजेन्द्र कौशिक ने आइडियालायंस जी-7 के विशेषज्ञ पैनल में बनाई जगह

संस, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के सहायक प्रोफेसर बिजेंद्र कौशिक ने प्रिंटिंग तकनीक के क्षेत्र में विश्वस्तरीय उपलब्धि हासिल की है।

बिजेन्द्र कौशिक।

बिजेंद्र कौशिक आइडियालायंस जी-7 के विशेषज्ञ पैनल पर जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। आइडियालायंस प्रिंटिंग तकनीक के क्षेत्र में अमेरिका स्थित एक विश्वस्तरीय संगठन है, जो दुनिया को इस क्षेत्र में आधुनिक आइडिया व तकनीक विकसित करने में अहम योगदान देता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार ने बिजेन्द्र कौशिक को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। बिजेंद्र कौशिक ने मुंबई में हुए इस संगठन की कार्यशाला में भाग लिया था। यह कार्यशाला भारत में दूसरी बार हुई थी। कार्यशाला में हुई परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर कौशिक ने विशेषज्ञ होने का अधिकार प्राप्त किया। बिजेन्द्र कौशिक के आइडियालायंस के विशेषज्ञ होने का न केवल विश्वविद्यालय को बल्कि पूरे देश को फायदा होगा।

दैनिक जागरण

सुविधा विश्वविद्यालय में घाना, इथोपिया के 32 विद्यार्थियों ने विभिन्न कोर्सेज में लिया है दाखिला

जीजेयू में विदेशी विद्यार्थियों के लिए बनेगा इंटरनेशनल हॉस्टल

जागरण संवाददाता, हिसार : जीजेयू में विदेशी विद्यार्थियों के लिए जल्द ही इंटनेशनल हॉस्टल का निर्माण शुरू किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विश्वविद्यालय में बढ़ रही विदेशी विद्यार्थियों की संख्या को देखते हुए यह फैसला लिया है। जीजेयू में पिछले वर्ष अफ्रीका महाद्वीप व एशिया से ईरान, युगांडा, घाना, इथोपिया जैसे देशों के विद्यार्थियों ने विभिन्न कोर्सेज में दाखिला लिया था। इनमें छात्रों को विश्वविद्यालय के फेकल्टी हाउस में ठहराया गया है।

वहीं छात्राओं को हॉस्टल में भी एडजस्ट किया गया है। पिछले वर्ष 32 विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में विभिन्न कोर्सेज में दाखिले के लिए आवेदन किया था। वहीं मौजूदा सेशन में 52 विद्यार्थियों ने दाखिले के लिए आवेदन किया था, जिनमें से 32 विद्यार्थियों ने एमटेक सहित एचएसबी में पीएचडी कोर्सेज में दाखिला लिया हुआ है।

जीजेयू लाइब्रेरी का दृश्य।

विदेशी विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए लगातार किए जा रहे हैं प्रयास

विश्वविद्यालय में विदेशी विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन अपनी वेबसाइट पर विश्वविद्यालय की कैंपस की सुंदर तस्वीरें, कोर्सेज की जानकारी देकर विदेशी विद्यार्थियों को लुभाने का प्रयास कर रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने हाल ही में एक डॉक्यूमेंट्री भी बनवाई है, जिसे वेबसाइट पर डाल विदेशी विद्यार्थियों को लुभाने का प्रयास किया जा रहा है।

10 करोड़ की लागत से बनेगा हॉस्टल

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इंटरनेशनल हॉस्टल को बनाने में करीब 10 करोड़ की लागत आएगी। इसे विश्वविद्यालय के फेकल्टी हाउस के नजदीक ही बनाया जाएगा। इंटरनेशनल हॉस्टल को आधुनिक तरीके से बनाया जाएगा, जिसमें कमरों के साथ ही अटैच बाथरूम होंगे। वहीं कॉमन किचन की भी सुविधा दी जाएगी। इनके अलावा हॉस्टल में रूम सिंगल व डबल रूम भी बनाए जाएंगे। विश्वविद्यालय में फिलहाल 80 विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल का निर्माण किया जाएगा।

विद्यार्थियों के खाने का किया जाएगा विशेष प्रबंध

हॉस्टल में खाने का उचित प्रबंध किया जाएगा। हालांकि अफ्रीका महाद्वीप के देशों में चिकन का अधिक प्रयोग होता है। लेकिन विश्वविद्यालय में उन्हें शाकाहारी खाना ही मिल पाएगा। ऐसे विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय उनकी सहायता करेगा।

> पिछले तीन सालों से लगातार इंटरनेशनल हॉस्टल की डिमांड आ रही है, जिसके चलते विश्वविद्यालय में इंटरनेशनल हॉस्टल के निर्माण के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजा था, जिसके लिए 10 करोड़ की राशि स्वीकृति मिल चुकी है।
>
> प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति।

दैनिक जागरण - 16 Sep 2019

गुजवि के पूर्व छात्र मोहित सैनी बने जी-7 विशेषज्ञ

हिसार/13 सितंबर/रिपोर्टर

बैंक कॉलोनी वासी एवं गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मोहित सैनी ने प्रिंटिंग तकनीक क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आइडियलायंस संगठन द्वारा मुंबई में आयोजित कार्यशाला के बाद हुई परीक्षा को उत्तीर्ण कर मोहित सैनी इस क्षेत्र के विशेषज्ञ बन गए हैं। बता दें कि मोहित सैनी गुजविप्रौवि के प्रिंटिंग विभाग से साल 2010 में बीटेक छात्र रहे हैं। वे फिलहाल दिल्ली की कंपनी में बतौर एप्लीकेशन स्पेशलिस्ट हैं तथा उन पर उत्तर भारत की जिम्मेवारी है।

नभछोर - 14/9/19

स्वस्थ मानव और सुरक्षित पृथ्वी के सिद्धांत को लेकर चलना जरूरी : वीसी

जीजेयू के पर्यावरण एवं अभियांत्रिकी विभाग की ओर से '32 इयर्स एंड हीलिंग' विषय पर कार्यक्रम, विशेषज्ञों ने रखे विचार

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के पर्यावरण एवं अभियांत्रिकी विभाग ने सोमवार को ओजोन दिवस के उपलक्ष्य पर '32 इयर्स एंड हीलिंग' विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम ओजोन परत को सुरक्षित रखने के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. आर बास्कर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दिवस वैश्विक समस्याओं के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने में सहायक होते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ इन दिवसों को एक खास टूल के रूप में इस्तेमाल

ओजोन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद स्टूडेंट्स।

करता है। ओजोन परत खास किस्म की गैस से बनी है, जो पृथ्वी को हानिकारक किरणों से बचाती है। ओजोन को हानि पहुंचाने वाले तत्वों को उत्सर्जन रोक कर हम न केवल ओजोन परत को बचा सकते हैं। डीन एफईबीटी प्रो. प्रवीन शर्मा ने कहा कि यह दिन पृथ्वी के संरक्षण तथा उसके सुरक्षा कवच ओजोन को समर्पित है। यह वर्ष भी ओजोन परत को बचाने के लिए तीन दशकों के अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा इसके तहत मोन्टरीयल प्रोटोकोल को समर्पित है। हमें स्वस्थ मानव व सुरक्षित पृथ्वी के सिद्धांत को लेकर आगे चलना होगा। डॉ. मोना शर्मा ने कहा कि ओजोन परत पृथ्वी से लगभग 30-35 किलोमीटर दूरी स्थित है।

दैनिक भास्कर - 17/9/19

ओजोन परत को हानि पहुंचाने वाले तत्वों के उत्सर्जन को रोकना होगा : प्रो. बास्कर

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के पर्यावरण एवं अभियांत्रिकी विभाग के सौजन्य से सोमवार को ओजोन दिवस के उपलक्ष्य पर '32 इयर्स एंड हीलिंग' विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग को इस कार्यक्रम के लिए बधाई दी और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम ओजोन परत को सुरक्षित रखने के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विभागाध्यक्ष प्रो. आर बास्कर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दिवस वैश्विक समस्याओं के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने में सहायक होते हैं। ओजोन परत खास किस्म की गैस से बनी है, जो पृथ्वी को हानिकारक किरणों से बचाती है। ओजोन को हानि पहुंचाने वाले तत्वों के उत्सर्जन को रोकना होगा। डॉ. मोना शर्मा ने कहा कि ओजोन परत पृथ्वी से लगभग 30-35 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। हानिकारक गैसें ओजोन को नष्ट कर रहीं, इसी कारण फैल रही पृथ्वी पर कैंसर जैसी बीमारियां ओजोन परत को हानि पहुंचाने वाली गैसों के कारण यह लगातार नष्ट हो रही है। पोस्टर व स्लोगन के विजेताओं का निर्णय फूड टेक्नोलॉजी विभाग की प्रो. अलका व पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की डॉ. अनु गुप्ता द्वारा किया गया। डॉ. देवेंद्र मुदगिल ने एक शॉर्ट वीडियो फिल्म प्रस्तुत की जबकि मुकेश व गजेन्द्र ने कविताएं सुनाई। तन्नु मलिक के पोस्टर को श्रेष्ठ पोस्टर घोषित किया गया। स्लोगन लेखन में लोकेश को पहला, अलिशा व वर्षा को दूसरा स्थान मिला।

हिंदी में भारत को एक सूत्र में पिराने की क्षमता : प्रो. देवेंद्र

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित करते प्रो. देवेंद्र कुमार एवं अन्य। • जागरण

संवाद सहयोगी, हिसार : जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के पूर्व प्रोफेसर देवेंद्र कुमार ने कहा है कि भाषा किसी भी राष्ट्र की पहचान होती है। हिन्दी में भारत को एक सूत्र में पिरोने की क्षमता है। हिन्दी ने भक्ति आंदोलन और स्वतंत्रता आंदोलन में भारत को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य किया है। प्रो. देवेन्द्र कुमार हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के हिन्दी विभाग के सौजन्य से 'दशा और दिशा' विषय पर आयोजित सेमिनार को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। प्रो. देवेन्द्र कुमार ने कहा कि हिन्दी भाषा को राष्ट्र भाषा के रूप में पहचान मिलने में अभी भी अड़चने आ रही हैं। यह एक भावनात्मक मुद्दा है। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोकर रखेगी। हिन्दी के प्रयोग से हम विज्ञान व तकनीक को भी समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हिन्दी के प्रचार-प्रसार में बालीवुड ने भी अच्छी भूमिका निभाई है।

दैनिक जागरण - 17/9/19

आइटी सैल द्वारा तैयार पोर्टल का उद्घाटन

हिसार, 18 सितम्बर (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आइटी सैल द्वारा तैयार किए गए पोर्टल का उद्घाटन किया। श्री गुरु नानकदेव जी के 550वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय के दूरवर्ती शिक्षा निदेशालय के विभिन्न कोर्सों के विद्यार्थियों को सम/विषम व वार्षिक परीक्षा के लिए विशेष मर्सी चांस का मौका दिया गया है। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 सितम्बर है। प्रति सेमेस्टर/वर्ष के लिए विद्यार्थी को विशेष मौके के लिए 10000 रूपये की परीक्षा फीस देनी होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला, पंडित दीनदयाल उपाध्याय कंप्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सैंटर के निदेशक मुकेश कुमार, सुरेन्द्र सिंह लाइयन अधिकारी आईटी सैल, उपकुलसचिव सुनीता कटारिया, प्रोग्रामर रामकला पूनिया व सहायक कुलसचिव सरोज बाला उपस्थित रहे।

पाँच बजे - 18-9-2019

जीजेयू ने 23 इनोवेटिव आइडिया का किया चयन

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। गुजवि के पंडित दीनदयाल इनोवेशन ऐंड इन्क्यूबेशन सेंटर की ओर से मांगे गए आइडियाज में से विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से 23 सबसे बेहतर आइडिया का चयन किया गया है।

अब 13 सितंबर को गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय शॉर्टलिस्ट किए गए 23 सदस्यों को प्रेजेंटेशन देनी होगी। इस

23 में से बेस्ट आइडिया को प्रोडक्ट में बदलने तक फंडिंग करेगी गुजवि

प्रेजेंटेशन के बाद चयनित यंग इनोवेटर को प्रति माह 50 हजार तक की मिलेगी फेलोशिप

प्रेजेंटेशन में जो सबसे बेस्ट आइडिया होगा, उसको प्रोडक्ट तक पहुंचाने में विश्वविद्यालय प्रशासन हर तरह की सहायता करेगा। वहीं, कुछ यंग इनोवेटर को 50 हजार रुपये प्रति माह के हिसाब से स्कॉलरशिप भी दी जाएगी, ताकि वे विद्यार्थी या शिक्षक अपने आइडिया पर विश्वविद्यालय में ही शोध कार्य कर सके। विश्वविद्यालय की ओर शॉर्टलिस्ट किए गए आठ आइडिया विश्वविद्यालय के ही शिक्षकों और विद्यार्थियों के हैं। इसके अलावा बाकी सभी आइडिया महाराष्ट्र, दिल्ली, नोएडा, कानपुर, चेन्नई के अलावा प्रदेश के विभिन्न जिलों के लोगों या कंपनियों की तरफ से दिए गए हैं।

> विद्यार्थियों में इनोवेटिव आइडिया को विकसित करने के लिए हमने ओपन आवेदन मांगे थे, ताकि वे एंटरप्रन्योर बनकर स्वयं का बिजनेस शुरू करे। इसका फायदा भी हमें मिला है और विद्यार्थियों व बाहर से भी लोगों ने काफी अच्छे आइडिया के प्रपोजल भेजे हैं। हमने 23 का चयन किया है। इनमें से जो सबसे बेहतर आइडिया होगा, उसे प्रोडक्ट बनने तक विश्वविद्यालय की और से फंडिंग किया जाएगा। वहीं, कुछ यंग इनोवेटर को हम 50 हजार रुपये प्रति माह की स्कॉलरशिप देंगे, ताकि उनके आइडिया पर रिसर्च हो सके।
>
> **- प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुजवि।**

सदस्यों को प्रेजेंटेशन के दौरान 5 से 10 मिनट में अपने आइडिया के बारे में विस्तृत रूप से बताना होगा। यह प्रेजेंटेशन 13 सितंबर को होगी। इसके अलावा आइडिया की प्रेजेंटेशन की सॉफ्ट कॉपी भी विवि प्रशासन को देनी होगी।

अमर उजाला - 7-9-2019

सिटी भास्कर

dainikbhaskar.com दैनिक भास्कर, हिसार गुरुवार 19 सितंबर, 2019 | 02

जीजेयू का ये मंच देता है हर साल नया टैलेंट

चौधरी रणवीर सिंह ऑडिटोरियम में टैलेंट हंट इवेंट में फाइन आर्ट में 35, डांस में 62 और म्यूजिक में 49 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

सिटी रिपोर्टर • मंच एक है मगर यहां हर साल आता है नया टैलेंट। इसी टैलेंट को निखारने के लिए जीजेयू में आयोजित होता है टैलेंट हंट। इसमें डांस, म्यूजिक, आर्ट, थिएटर जैसी विधाओं में हुनर तलाशने का प्रयास होता है। इस बार जीजेयू में दो दिवसीय टैलेंट हंट में पहले दिन फाइन आर्ट, सिंगिंग और डांसिंग टैलेंट सर्च आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन शैक्षणिक मामलों की अधिष्ठाता प्रो. ऊषा अरोड़ा ने किया। युवा कल्याण निदेशक अजीत सिंह ने बताया कि फाइन आर्ट में 35, डांस में 62 और म्यूजिक में 49 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विभिन्न कैटेगरीज में संध्या शर्मा, सविता हुड्डा, हिमानी हुड्डा, डॉ. ज्योत्सना, डॉ. तरुणा, डॉ. ज्योति वशिष्ठ, डॉ. रजनी, गुरप्रीत सैनी ने जजेज की भूमिका निभाई।

मंदीप रानी

मनीषा

सरस्वती

सुमन

योजिका

अनिरुद्ध

कंटेम्परेरी और क्लासिकल का कॉम्बो

आर्ट में एक्सपेरिमेंट्स ने जजेज को इम्प्रेस किया। इसमें क्लासिकल कंटेम्परेरी का कॉम्बो खास तौर पर स्टूडेंट्स ने प्रजेंट किया।

मोनिका

माइनर टेस्ट देने वाले स्टूडेंट्स को करनी पड़ी मशक्कत

जीजेयू में जहां एक तरफ टैलेंट हं... रहा है तो वहीं फिजिक्स, बायो... इकोनॉमिक्स जैसे कई अन्य ... स्टूडेंट्स के माइनर टेस्ट ... चलते कई स्टूडेंट्स टै... नहीं ले पाए। कुछ ... अधूरा छोड़कर ... लगाई। टैलेंट ... का असर ... दर्शकों की ... पूछने पर ... टैलेंट हंट के लि... माइनर टेस्ट और टैलेंट ... क्लेश होने के कारण हताशा ...

सिटी भास्कर - 19/9/19

नेट-जेआरएफ पास विद्यार्थी साल में कभी भी ले सकेंगे पीएचडी में दाखिला

विश्वविद्यालय प्रशासन ने जारी किया नोटिफिकेशन, दिसंबर में प्रवेश परीक्षा का आयोजन

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। नेट और जेआरएफ पास विद्यार्थी गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में पूरे वर्ष पीएचडी कार्यक्रमों में दाखिला ले सकेंगे। बशर्ते विद्यार्थी के पास इसके लिए संबंधित टीचर की कन्सेंट हो। टीचर की कन्सेंट के बाद विद्यार्थी पीएचडी में दाखिला लेकर शोध कार्य कर सकता है। जीजेयू ने नोटिफिकेशन जारी की है। वहीं, बिना नेट या जेआरएफ वाले जो विद्यार्थी पीएचडी में दाखिला लेना चाहते हैं, उनके लिए दिसंबर में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

जीजेयू के अनुसार नेट और जेआरएफ के विद्यार्थियों को शोध करने में किसी तरह की परेशानी न हो और उन्हें दाखिले में कोई कठिनाई न आए, इसलिए ऐसे विद्यार्थी वर्ष में सेशन के दौरान कभी भी एडमिशन दिए जाने का फैसला लिया गया है। इससे विवि में शोध वातावरण बेहतर होगा। विश्वविद्यालय की डीन एकेडमिक अफेयर प्रो. ऊषा आरोड़ा ने कहा कि जिन विद्यार्थियों का नेट या जेआरएफ नहीं है, वे दिसंबर में आवेदन कर सकते हैं। विवि प्रशासन की ओर से विभिन्न विषयों में पीएचडी की सीटों पर दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

यूजीसी नेट के लिए नौ अक्तूबर तक करें आवेदन : दूसरी तरफ यूजीसी की दिसंबर में होने वाली नेट की परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। विद्यार्थी नौ अक्तूबर तक इसके लिए आवेदन कर सकेंगे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित की जाने वाली इस ऑनलाइन परीक्षा 2 से 6 दिसंबर के बीच आयोजित की जाएगी। मॉर्निंग शिफ्ट की परीक्षा सुबह साढ़े नौ बजे से साढ़े 12 बजे तक होगी और इवनिंग शिफ्ट की परीक्षा दोपहर ढाई से शाम साढ़े पांच बजे तक होगी।

गुजवि में होगी अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड की प्रवेश परीक्षा

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय का पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड का आयोजन करेगा। इस आयोजन के प्रतिभागियों के चयन के लिए विश्वविद्यालय में 17 नवंबर को प्रवेश परीक्षा होगी। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने विभाग को शुभकामनाएं दीं। विभागाध्यक्ष प्रो. आर बास्कर ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड अत्यंत उच्चस्तरीय एवं महत्वपूर्ण आयोजन है। प्रवेश परीक्षा के आधार पर मई 2020 में होने वाले 25 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के लिए देशभर से 30 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर में व्याख्यान, चर्चा, तारामंडल यात्रा, प्रयोगशाला और क्षेत्र कार्य शामिल होंगे।

गुजवि के मानव संसाधन केंद्र को दूसरी बार एनआरसी का दर्जा मिला

हिसार। देश के मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय ने गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र को लगातार दूसरी बार नेशनल रिसोर्स सेंटर (एनआरसी) का दर्जा दिया है। अब विश्वविद्यालय का यह केंद्र देश के शिक्षकों को उनके विषयों से संबंधित प्रशिक्षण देकर नई जानकारियों से अपडेट करेगा। साथ ही शिक्षकों में लीडरशिप के गुण भी विकसित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय को एनआरसी का दर्जा मिलने के बाद अब तक देशभर से 1492 शिक्षक अपना रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। एनआरसी को-आर्डिनेटर प्रो. वंदना पांडे ने बताया कि अर्पित कार्यक्रम के तहत पेडा गोगीकल इनोवेशन एंड रिसर्च मैथ्डोलॉजी नामक कोर्स का यह प्रशिक्षण एक अक्तूबर से शुरू होकर एक जनवरी तक चलेगा।

क्या है अर्पित कार्यक्रम : मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक डॉ. नीरज दिलबागी के अनुसार मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए अर्पित (एनुअल रिफ्रेशर प्रोग्राम इन टीचिंग) प्रोग्राम पिछले वर्ष ही लॉन्च किया था। इसका मकसद उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को उनके विषयों से संबंधित नई जानकारियों से अपडेट कराना और उनमें लीडरशिप प्रतिभा विकसित करना है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पहल पर तैयार इस प्रशिक्षण प्रोग्राम में विश्वविद्यालय के कुलपतियों से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों के निदेशक और शिक्षकों को शामिल किया गया है। मौजूदा समय में देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों में करीब 15 लाख शिक्षक पढ़ा रहे हैं।

पदोन्नति में प्रशिक्षण कोर्स को मिलेगी वरीयता : डॉ. नीरज दिलबागी ने बताया कि इस योजना के तहत शिक्षकों के प्रशिक्षण कोर्स की गणना उनके प्रमोशन के दौरान की जाएगी। यानी जिन शिक्षकों ने ये प्रशिक्षण कोर्स किए होंगे, उन्हें प्रमोशन में वरीयता मिलेगी। वहीं, मंत्रालय ने विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण में नियुक्त होने वाले शिक्षकों के लिए भी एक इंडक्शन कोर्स डिजाइन किया हुआ है, जिसके तहत भर्ती होने वाले नए शिक्षकों को एक महीने का इंडक्शन कोर्स करना होगा।

अमर उजाला - 20/10

हम दुनिया से सीखने वाले नहीं बल्कि दुनिया को सिखाने वाले वैश्विक अध्यापक : डा. राजेन्द्र

हिसार, 21 सितम्बर (निस)। रैमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता एवं स्टॉकहोम वॉटर प्राइज से सम्मानित डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा है कि 'नीर-नदी और नारी' का सम्मान करने की भारत की सनातन परंपरा है। इसी परंपरा में भारत का ही नहीं, बल्कि दुनिया का सतत विकास निहित है। हम दुनिया से सीखने वाले नहीं बल्कि दुनिया को सिखाने वाले वैश्विक अध्यापक है।

डॉ. राजेंद्र गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के सौजन्य से 'पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के आधुनिक ट्रैन्डस' विषय पर शुरू हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर डिप्टी डॉयरेक्टर जनरल इंडियन मेटरोलॉजिकल विभाग, नई दिल्ली के डॉ. एसडी अत्री, डिपार्टमेंट ऑफ कैमिकल इंजीनियरिंग पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के पूर्व डीन प्रो. एससी जैन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। सेमिनार के संयोजक प्रो. नरसिंह बिश्नोई व प्रो. आशा गुप्ता भी मंच पर उपस्थित रहे। डॉ. राजेंद्र ने अपने संबोधन में कहा कि यह विश्वविद्यालय गुरु जंभेश्वर जी महाराज के नाम से स्थापित है। गुरु जी दुनिया के पहले पर्यावरण विज्ञानी थे। विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी बनती है कि गुरु जी की शिक्षाओं को अपनाते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन में सकारात्मक कदम उठाएं।

समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र सिंह का फोकस जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर रहा। उन्होंने बड़े ही सहज एवं सरल तरीके से न केवल पानी बचाने के महत्व को समझाया वरन इस बात को भी चेताया कि यदि आज जल संरक्षण पर ध्यान नहीं दिया गया तो वह दिन दूर नहीं जब पानी को लेकर विश्वभर में भी जंग छिड़ सकती है। इस बीच कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने 'जलयौधा' डॉ. राजेंद्र सिंह के इस सुझाव को सहर्ष स्वीकृत किया कि विश्वविद्यालय में भी जलसंरक्षण को लेकर पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।

गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. एसडी अत्री ने बताया कि कैसे हर साल और महीनों में ही तापवृद्धि में अंतर आया है। जनसंख्या वृद्धि भी इसका मुख्य कारण है। इसको लेकर संतुलन बनाना बहुत जरूरी है।

ऑन कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में गुजवि के 9 विद्यार्थियों का चयन

हिसार, 21 सितम्बर (निस)। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सौजन्य से हुए ऑन कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के नौ विद्यार्थियों का चयन प्रतिष्ठित सॉफ्टवेयर कम्पनी डेफोडिल सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड हिसार में हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि डेफोडिल सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड स्मार्ट कंपनियों को स्मार्ट समाधानों से लैस करता है। वेब, मोबाइल और क्लाउड सॉल्यूशन में कम्पनी की सर्वांगीण विशेषज्ञता ने कुछ शीर्ष व्यवसायों में बदलाव लाया है, जिससे वे वैश्विक मील के पत्थर साबित हो रहे हैं। स्टार्टअप्स से लेकर स्टर्लिंग एंटरप्राइजेज, प्रोडक्ट्स कंपनियों से लेकर सावी मार्केटिंग एजेंसियों तक कार्य किया है। कम्पनी ने इन क्षेत्रों को अपनी अत्याधुनिक तकनीकों के साथ कार्य किया और ऊंचाईयों के साथ आगे बढ़ी है।

प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि चयन प्रक्रिया में कंपनी के सॉफ्टवेयर इंजीनियर शुभम दुहन द्वारा दी गई एक प्रस्तुति के बाद तीन राऊंड हुए। पहले राउंड में ऑनलाइन कोडिंग टेस्ट हुआ जिसमें बीटेक कंप्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग, बीटेक आईटी, बीटेक इलैक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग तथा एमसीए अंतिम वर्ष के 90 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इन 90 विद्यार्थियों में से 23 विद्यार्थियों को तकनीकी कोडिंग परीक्षा के दूसरे राऊंड के लिए सूचिबद्ध किया गया तथा तीसरे व अंतिम राऊंड में इनमें से 12 विद्यार्थियों को साक्षात्कार के लिए सूचिबद्ध किया गया। कंपनी के हिसार कार्यालय में हुए साक्षात्कार में विश्वविद्यालय के नौ विद्यार्थियों का चयन हुआ है। प्लेसमैंट निदेशक ने विद्यार्थियों को तैयार करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए कंप्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. ऋषिपाल सिंह व पंडित दीनदयाल यूनिवर्सिटी कंप्यूटर एंड इंफोमेटिक्स सैंटर के निदेशक मुकेश अरोड़ा का आभार प्रकट किया है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों में बीटेक कंप्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग अंतिम वर्ष के कार्तिकेय चौधरी, हितेन जैन, राणा अतुल, रजत शर्मा, लोकेश यादव, सुमित केशरी, बीटेक आईटी के सुमित गुप्ता व शुभम गर्ग तथा एमसीए के विष्णु गुप्ता शामिल हैं। चयनित विद्यार्थी 2.36 लाख रूपये के शुरुआती वार्षिक पैकेज पर कम्पनी के हिसार कार्यालय में जूनियर एसोसिएट आईटी के पद पर ज्वाइन करेंगे।

नित्य शक्ति अखबार - 21/9/19

जीजेयू हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारियों के साथ चयनित स्टूडेंट्स।

जीजेयू के 12 स्टूडेंट्स की प्लेसमेंट

हिसार | जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑन कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में यूनिवर्सिटी के नौ स्टूडेंट्स का चयन सॉफ्टवेयर कम्पनी हिसार में हुआ। यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार व रजिस्ट्रार डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित स्टूडेंट्स को बधाई दी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि डेफोडिल सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड वेब, मोबाइल और क्लाउड सॉल्यूशन में काम करती है। स्टार्टअप्स से लेकर स्टर्लिंग एंटरप्राइजेज, प्रोडक्ट्स कंपनियों से लेकर सभी मार्केटिंग एजेंसियों पर कार्य किया है।

स्टूडेंट्स कि चयन प्रक्रिया में कंपनी के सॉफ्टवेयर इंजीनियर शुभम दुहन द्वारा दी गई एक प्रस्तुति के बाद तीन राउंड हुए। पहले राउंड में ऑनलाइन कोडिंग टेस्ट हुआ जिसमें बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, बीटेक आईटी, बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग तथा एमसीए अंतिम वर्ष के 90 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। इन 90 स्टूडेंट्स में से 23 स्टूडेंट्स को तकनीकी कोडिंग परीक्षा तथा तीसरे व अंतिम राउंड में 12 स्टूडेंट्स का चयन हुआ।

दैनिक भास्कर - 21/9/1

युवा कल्याण निदेशालय के पोर्टल का उद्घाटन

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शनिवार को युवा कल्याण निदेशालय के ऑनलाइन वेब पोर्टल का उद्घाटन किया। वीसी ने बताया कि विश्वविद्यालय में शीघ्र ही युवा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में भाग लेने के लिए महाविद्यालय अपनी टीमों का पंजीकरण इस वेब पोर्टल के माध्यम से कर सकेंगे। वेब पोर्टल पर टीमों के पंजीकरण के लिए तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की डीएसडब्ल्यू प्रो. सरोज, पंडित दीनदयाल उपाध्याय कंप्यूटर एंड इंफ्रमेटिक्स सेंटर के निदेशक मुकेश अरोड़ा, डायरेक्टर ऑफ यूथ वेल्फेयर अजीत सिंह, प्रोग्रामर नितिन कुमार, कल्चरल सुपरवाइजर गुरप्रीत आदि उपस्थित रहे।

अमर उजाला - 22/9/19

जीजेयू का मानव संसाधन विकास केंद्र तैयार करेगा 21वीं सदी के शिक्षक

राष्ट्रीय संसाधन केंद्र की एकेडमिक काउंसिल की बैठक में लिए गए अहम फैसले

संवाद सहयोगी, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का मानव संसाधन विकास केंद्र 21वीं सदी के कौशल के आधार पर शिक्षक तैयार करेगा। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र को राष्ट्रीय संसाधन केंद्र का दर्जा प्राप्त है। इस दर्जे के चलते मानव संसाधन विकास केंद्र एनुअल रिफ्रेशर प्रोग्राम इन टीचिंग के तहत 'पैडागोजिकल इनोवेशन्स एंड रिसर्च मैथोडोलॉजी' विषय पर कोर्स तैयार कर रहा है।

इस संबंध में मानव संसाधन विकास केंद्र की दूसरी एकेडमिक काउंसिल की बैठक गुरुवार को विश्वविद्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर भी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक का संचालन मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने किया।

मानव संसाधन विकास केंद्र की दूसरी एकेडमिक काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता करते कुलपति।

कोर्स से संबंधित कैलेन्डर भी बैठक में किया गया पास

बैठक में 'पैडागॉजिकल इनोवेशन्स एंड रिसर्च मैथडोलॉजी 'विषय पर ऑनलाइन कोर्स तैयार करने का खाका तैयार किया गया। इस कोर्स के कुल 40 मॉडयूल तैयार किए जाएंगे। प्रत्येक मॉडयूल में एक वीडियो लेक्चर व एक कंटेंट राइटअप होगा। यह कोर्स विषय से संबंधित मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों तथा वैश्विक स्तर की समस्याओं के समाधान पर आधारित होगा। साथ ही यह कोर्स शिक्षकों को 21वीं सदी की शैक्षणिक चुनौतियों के लिए भी तैयार करेगा तथा 21वीं सदी की शिक्षा का ढांचा भी तैयार करेगा। शोध व शिक्षण के क्षेत्र में प्रयोग होने वाली आधुनिक तकनीकों जानकारियां भी दी जाएंगी। कोर्स से संबंधित कैलेन्डर भी बैठक में पास किया गया। इसके अतिरिक्त कोर्स के लिए कंटेंट लेखक, कंटेंट प्रस्तुतकर्ता, कंटेंट रिव्यूवर, प्रोडक्शन टीम तथा टैक्नीकल रिव्यूवर टीम की मंजूरी भी बैठक में प्रदान की गई।

1850 प्रतिभागी पंजीकृत

वर्ष 2018 में इस कोर्स में कुल 658 प्रतिभागी पंजीकृत हुए थे। जबकि इस वर्ष अब तक इस कोर्स के लिए 1850 प्रतिभागी पंजीकृत हो चुके हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर है। बैठक में पूर्व कुलपति प्रो. बी.के. पूनिया, केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब के प्रो. वी.के. गर्ग, एनसीईआरटी के पूर्व हैड प्रो. एस. के. यादव, डा. जयंती दत्ता, प्रो. डी. कुमार, प्रो. सुनीता मौजूद रहे।

दैनिक जागरण - 27/9/19

कार्यक्रम को संबोधित करते एसई रामजीलाल।

जीजेयू में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत आयोजित कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी। - अमर उजाला

गुजवि से बाहर नहीं निकलता कचरा अंदर ही कर लिया जाता है प्रबंधन

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में 'स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत' केंद्र के सौजन्य से शुक्रवार को व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में हुए इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हिसार नगर निगम के अधीक्षक अभियंता रामजीलाल थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वच्छता विभाग के प्रभारी एवं कार्यकारी अभियंता रघुबीर सिंह सुंडा ने की। मुख्य वक्ता रामजीलाल ने बताया कि हम अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखकर स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं। उन्होंने ठोस कचरा प्रबंधन, स्क्रैप

गुजवि में स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत केंद्र के सौजन्य से हुआ व्याख्यान कार्यक्रम

वैल्यू, कचरे से खाद बनाना, आदि पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्वच्छ वातावरण रखने के टिप्स भी दिए। कार्यकारी अभियंता रघुबीर सिंह सुंडा ने बताया कि विश्वविद्यालय में घर-घर जाकर गीला व सूखा कूड़ा अलग-अलग- इकट्ठा किया जाता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का किसी भी प्रकार का कूड़ा बाहर नहीं फेंका जा रहा है। सभी प्रकार के कूड़े का विश्वविद्यालय अपने स्तर पर ही प्रबंधन कर रहा है। सभी प्रकार के पेड़-पौधों के अवशिष्टों से विश्वविद्यालय खाद तैयार कर रहा है। रामजीलाल ने विश्वविद्यालय के स्वच्छता एवं बागवानी विभाग में कार्यरत कर्मचारियों, सुपरवाइजरों व अधिकारियों की विश्वविद्यालय में स्वच्छता के क्षेत्र उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशंसा की। विश्वविद्यालय के 'स्वच्छ भारत-स्वस्थ्य भारत' केंद्र के संयोजक डॉ. राजीव कुमार ने बताया विश्वविद्यालय में 17 सितंबर से दो अक्तूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा' व 'स्वच्छता पखवाड़ा' मनाया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन विशेष रूप से विश्वविद्यालय के बागवानी व स्वच्छता विभाग के लिए किया गया है। इस अवसर पर लैंडस्केप एडवाइजर पालेराम, बागवानी विभाग व स्वच्छता विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

इंटरनेशनल यूथ फेस्ट में छाई जीजेयू की टीम

जागरण संवाददाता, हिसार: चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में एआइयू द्वारा आयोजित इंटरनेशनल यूथ फेस्टिवल में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय का बेहतरीन प्रदर्शन रहा। विश्वविद्यालय के फोक ऑर्केस्ट्रा बैंड के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा के बल पर सभी का दिल जीता। खास बात है कि ऑर्केस्ट्रा बैंड की पूरी टीम हिसार के राजकीय महाविद्यालय की है। यह टीम अंतरराष्ट्रीय युवा उत्सव में भारत का नेतृत्व करते हुए चौथे स्थान पर रही।

ऑर्केस्ट्रा बैंड की तैयारी डा. रेणुका गंभीर के मार्गदर्शन में हुई जबकि कोमल सैनी ने डायरेक्टर के रूप में विशेविंद वर्मा, रामभगत, केशव, सुशांत, कुलदीप, सुरेश, भव्या, जया शामिल रहे। इस उपलब्धि के लिए जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, डीन डीएसडब्ल्यू प्रो. सरोज, डायरेक्टर यूथ वेल्फेयर डा. अजीत सिंह, डा. एमआर पात्रा, गवर्नमेंट कॉलेज के प्रिंसिपल प्रताप सिंह रोहिला, डीन अंजलि गुलाप ने अपनी भूमिका निभाई। नगाड़ा वादक राजेश व सारंगी वादक पुनीत सिसौदिया का

इंटरनेशनल यूथ फेस्टिवल में भाग लेने वाली जीजेयू की टीम। ● जागरण

विशेष योगदान रहा। फोक ऑर्केस्ट्रा बैंड की टीम के सदस्यों में गोटी, डा. रेणुका गंभीर, सुखदास व महेंद्र ने सभी विद्यार्थियों की श्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए बधाई दी। उल्लेखनीय है कि गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय की संगीत से संबंधित टीम में गवर्नमेंट कॉलेज के विद्यार्थियों की विशेष भूमिका रहती है।

दैनिक जागरण 30/9/19

महारक्तदान शिविर : 189 छात्राओं सहित 492 लोगों ने किया रक्तदान

जीजेयू की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सौजन्य से महारक्तदान शिविर का आयोजन

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सौजन्य से विश्वविद्यालय के शिक्षण खंड-07 में महारक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सिख पंथ के प्रवर्तक गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वर्ण जयंती वर्ष और शहीद भगत सिंह के जन्मोत्सव को समर्पित किया गया। महारक्तदान शिविर में 492 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया, जिनमें 189 छात्राएं शामिल थीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने महारक्तदान शिविर का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने रक्तदान भी किया। एचडीएफसी बैंक के सहयोग से आयोजित शिविर की अध्यक्षता राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अनिल कुमार भानखड़ ने की।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हमारे द्वारा किया हुआ रक्तदान किसी की जिंदगी बचा सकता है। देश के प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय सेवा से जुड़ना अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को बहुत कुछ सीखने को मिलता है और समाज व राष्ट्र सेवा की भावना जागृत होती है। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक सांस्कृतिक कार्यक्रमों, जागरूकता अभियान, रक्तदान शिविरों का आयोजन कर समाजहित व राष्ट्रहित में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं। शिविर में नागरिक अस्पताल, अग्रोहा मेडिकल कॉलेज, रेडक्रॉस सोसायटी हिसार तथा सर्वोदय अस्पताल के ब्लड बैंक की टीमों द्वारा रक्त यूनिट एकत्रित की गई। एचडीएफसी बैंक द्वारा सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

रक्तदान करते विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर व उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। - अमर उजाला

प्रदर्शनी का भी किया आयोजन

शिविर के दौरान रक्तदान, स्वतंत्रता सेनानी तथा जलसंरक्षण विषयों पर एक प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। प्रदर्शनी के माध्यम से स्वयंसेवकों द्वारा रक्तदान महादान का संदेश दिया गया। इस अवसर पर एचडीएफसी बैंक के अधिकारी चेतन गोयल व विजय शर्मा, विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. सरोज, प्रोक्टर प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई, डीन रिसर्च प्रो. नरसीराम बिश्नोई, डीन इंटरनेशनल स्टूडेंट्स प्रो. विनोद छोकर, प्रो. राकेश बहमनी, प्रो. सुजाता सांघी, प्रो. दलबीर सिंह, प्रो. पंकज खटक, प्रो. धर्मेंद्र कुमार डॉ. कश्मीरी लाल, डॉ. सुमन दहिया, डॉ. अंजु गुप्ता, डॉ. सुनील वर्मा, डॉ. मोहित आनंद व स्वयंसेवक उपस्थित रहे।